एम.पी.ए.-032

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों में
नामांकित छात्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए. 032
पारिस्थितिकी और पर्यावरण

समाजिक विज्ञान विधापीठ
ठंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम केसत्रीय कार्य का 30 प्रतिशत भारांक होता है, जबकि 70 प्रतिशत भारांक सत्रांत परीक्षा के लिए दिया जाता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम,**"पारिस्थितिकी और पर्यावरण"(एम.पी.ए.032),** चार क्रेडिट कापाठ्यक्रम है। इस सत्रीय कार्य में एक टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दी गई निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों का प्रयास करें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा के भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें किसत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन क्षमता में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य(असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी	31 मार्च 2026	विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयकके पास
जनवरी 2026 सत्र में नामांकित विधार्थी	30 सितम्बर 2026	

आपको जमा किए गएसत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तोसत्रीय कार्य की एक फोटो कॉपी अपने पास रखें।
अध्ययन केंद्र कोसत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद आपको सत्रीय कार्यवापस करना होगा। कृपया इस पर जोर दें। अध्ययन केंद्र को अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजना होता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार दें। आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) योजनाःसत्रीय कार्यमें पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) संगठनः उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

आपको शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक
लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए–032 पारिस्थितिकी और पर्यावरण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमकोड : एम.पी.ए..032
सत्रीय कार्यकोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2025–2026
पूर्णांक : 100

यह सत्रीय कार्य भाग–I और भाग– II में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

भाग – I

1) 'पर्यावरणीय नियतिवाद और पर्यावरणीय सम्भावनावाद समान पर्यावरणीय कारकों के प्रति सामाजिक प्रतिक्रियाओं की विविधता का निर्माण करते हैं।' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
2) निर्भरता, अनुकूलन, संशोधन तथा शोषण की प्रक्रियाएं किस तरह से मानव –पर्यावरण संबंध को आकार देती हैं। 10
3) पर्यावरण के संरक्षण में प्रक्रियात्मक और पुनर्वितरणात्मक न्याय की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
4) पर्यावरण शासन में नागरिक समाज तथा नैतिकता की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10
5) 'पर्यावरण संरक्षण भारत के संविधान में अंतर्निहित है'। टिप्पणी कीजिए। 10

भाग – II

6) जलवायु परिवर्तन के प्रति राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सरकारों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन कीजिए। 10
7) उन चार ढ़ाचों की व्याख्या कीजिए, जिनके अंतर्गत जलवायु परिवर्तन का सामना किया जा सकता है। 10
8) जलवायु परिवर्तन के पीछे के विज्ञान पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
9) सतत विकास के विभिन्न पहलुओं को उजागर कीजिए। 10
10) सतत विकास की चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। 10